असाध्य वीणा, अँधेरे में, आत्मजयी, राग, अंधा युग, मेरा प्रतिनिधि, १९५३, हस्ताक्षर, आत्महत्या के विरुद्ध, एक पीली शाम, गोबरैले, नंगे पैर, सब कुछ कह लेने के बाद, हमारी हिंदी, लोहिया के न रहने पर, स्वाधीन व्यक्ति

नयी कविताएँ: एक साक्ष्य